इतिहास शिक्षण मं संगणक तथा महाजाल का उपयोग तथा लाभ

श्री. राकेश अशोक रामराजे

सहाय्यक प्राध्यापक

पी.व्ही.डी.टी. कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन फॉर वूमेन, चर्चगेट, मुंबई २०

इतिहास शिक्षण मं संगणक का उपयोग तथा लाभ :

१. हम इसका उपयोग अपने जरुरत के अनुसार व समय के नुसार कर सकते है।

२. ये उपकरण इतिहास के उन पाठों के लिए विशेष उपयोगी है, जिनकी विषयवस्तु पर पाठयपुस्तकों का अभाव है।

३. इन उपकरण की सहायता से इतिहास षिक्षण में बालकों को जो अनुभव प्राप्त होते है। उनसे बालक ऐतिहासिक तथ्यों का ज्ञान सरलता से प्राप्त कर लेते है।

४. इतिहास में ऐसी स्थितियॉं, सूचनाएँ एवं घटनाएँ दृश्य आदि है। जिन्हे मौखिक रुप से कितने ही प्रभावपूर्ण दंग से क्यों न पढाया जाए। बालको को कल्पना के अतिरिक्त कुछ भी प्राप्त नही होता है। इन उपकरण की मद्द से जानकारी लेना आसान हो जाता है। उदा. हरप्पाकालीन संस्कृति, प्राचीनकाल के औजार, बर्तन, खिलौने आदि।

५. इसके जरिए पत्र – व्यवहार या कुरियर से होनेवाले व्यवहार के खर्च बच गए है।

६. विश्व की आर्थिक हालत व शिक्षा पद्धती को हम गुप्त रुप से देख सकते है।

७. स्कूल में भी इसकी जानकारी उपयोगी है। उदा. स्कूल के कार्यक्रम और इसके द्वारा शैक्षणिक मार्गदर्शन, व्यावसायिक मार्गदर्शन मिलता है।

८. प्रवेश पात्रता अन्य बातों कि जानकारी प्राप्त कर सकते है।

९. महाजाल के माध्यम से विद्यार्थीयों को शारीरिक शिक्षा और आरोग्य शिक्षा की जानकारी मिल सकती है।

१०. स्कूलों में विविध प्रकार के समाचारपत्र उपलब्ध कराया जा सकता है। जिससे विद्यार्थीयों तथा शिक्षको को लाभ होता है।

११. महाजालके द्वारा किताबें खरीदना, प्रायोगिक साहित्य या अन्य के आर्डर दिए जा सकते है।

१२. महाजाल के द्वारा तेज दिमाग के विद्यार्थीयों का पेपर देखा जा सकता है।

१३. संशोधनों का निष्कर्ष सिध्द् करके यह संशोधन विद्यार्थी, शिक्षक, शैक्षणिक संस्था इसकी भेज सकते है।

शिक्षा से संबंधित काम के लिए महाजाल का महत्व :

१. ई – मेलद्वारा हम शिक्षा से संबंधित रुकावटे दूर कर सकते है।

२. ई – मेलद्वारा विविध विद्यार्थीयों के पाठयक्रम के बारें में जानकारी प्राप्त कर सकते है।

३. ई – मेलद्वारा कार्यशाला, सेमिनार, चर्चासत्र आयोजित करने के लिए उस विषय से संबंधित व्यक्तियों में से कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों का समय इत्यादी निश्चित कर सकते है।

४. ई – मेलद्वारा शासकीय कार्यालय से संपर्क बनाने के लिए प्रशासकीय कामकाज में रुकावटे, पत्र व्यवहार इत्यादि करना सरल हो गया है।

५. स्कूल में विविध कार्यक्रम किए जाते है। उदा. दिनविशेष, स्नेह संम्मेलन ऐसे वक्त पर चहॉ आनेवालों को आमंत्रण देने के लिए उनके पास ई – मेल की सुविधा होने पर आमंत्रण भेज सकते है।

६. गोपनीय विस्तारित करने के लिए उदा. प्रश्नपत्रिका, शिक्षकों के गोपनीय अहवाल के लिए महत्वपूर्ण है।

संदर्भग्रंथ :

पत्की, श्री. मा. (१९८७), इतिहासाच्या अध्यापन पद्धती व तंत्र. औरंगाबाद : मिलींद प्रकाशन.

पारसनी, न. रा. व धारुरकर, य. ज. (१९७१), इतिहासाचे अध्यापन. पुणे : व्हिनस प्रकाषन.

पिचड, एन्. व बरकले, आर. (२००९), मातृभाषा मराठीचे अध्यापन शास्त्रीय विश्लेशण. नाशिक : तेजसी प्रकाशन.

शिंदे, डी. व टोपकर, आर. (२००९), इतिहासाचे आशययुक्त अध्यापन. पुणे : नित्यनूतन प्रकाशन.